पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 23-24 सितंबर 2022 कैम्पियरगंज में स्थित सामुदायिक सुविधा केंद्र पर वन विज्ञान केन्द्र गोरखपुर के अन्तर्गत "बाँस संसाधन से आजीविका के अवसर" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 75 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ० विकास यादव, संभागीय वन अधिकारी, कैम्पयर गंज के साथ केन्द्र प्रमुख डॉ० संजय सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केंद्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूप रेखा बताने के उपरान्त केंद्र द्वारा उत्तर प्रदेश में बाँस की खेती एवं इससे आजीविका सृजन के प्रयासों की जानकारी दी।

तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम श्री आलोक यादव, वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक ने भारत में बाँस संसाधन, वितरण एवं उसके महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात डॉ. संजय सिंह ने अपने व्याख्यान में "बांस प्रवर्धन की विभिन्न विधियों" के विषय में बताने के साथ किसानों को व्यावहारिक तरीके से इन विधियों का प्रदर्शन भी किया।

केन्द्र के परियोजना सहायक राहुल निषाद ने बाँस आधारित उत्पाद के अंतर्गत बाँस आधारित आजीविका की असीम सम्भावनाएं बतायी। कुलदीप चौहान, वरिष्ठ शोध अध्येता ने खाने योग्य बाँस से उद्यमिता पर जानकारी उपलब्ध करायी।

कार्यक्रम के समापन दिवस में बाँस द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं के निर्माण पर कार्यशाला भी की गयी जिसमें किसानों ने कुशल प्रशिक्षकों से बाँस से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंतिम सत्र में प्रशिक्षणार्थियों और प्रशिक्षकों के मध्य संवाद में शंकाओं का समाधान किया गया और समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

दो दिवसीय कार्यक्रम का मंच संचालन श्री हरीश कुमार ने किया। केन्द्र के तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता के साथ डॉ० हरेंद्र सिंह, उपविभागीय अधिकारी, गोरखपुर तथा हरिकेश नारायण यादव, उपविभागीय अधिकारी कैम्पयर गंज की उपस्थिति से प्रशिक्षण सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ ।

वन विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर के अंतर्गत
प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर के अंतर्गत
प्रशिक्षण कार्यक्रम
बाँस संसाधन से आजीविका के अवसर
Livelihood Opportunities Through Bamboo Resources

वन विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर के अंतर्गत
प्रशिक्षण कार्यक्रम
बाँस संसाधन से आजीविका के अवसर
Livelihood Opportunities Through Bamboo Resources

वन विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर के अंतर्गत
प्रशिक्षण कार्यक्रम
बाँस संसाधन से आजीविका के अवसर
Livelihood Opportunities Through Bamboo Resources

मीडिया कवरेज

बांस से सामग्री बनाने का मिला प्रशिक्षण

कैंपियरगंज। वन विभाग के कामन फेसिलिटी केंद्र में बांस संसाधन आजीविका को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ डीएफओ विकास यादव ने शुक्रवार को किया। प्रशिक्षण में मोहनाग के स्वयं सहायता समूह के महिला व पुरुष सदस्यों को बांस पर आधारित सामग्री बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रयागराज के डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक डॉ. आलोक यादव, प्रोजेक्ट सहायक राहुल निषाद व कुलदीप चौहान ने प्रशिक्षण दिया। इस दौरान हरिकेश नरायन यादव, राहुल सिंह, सत्यप्रकाश, मुकेश शर्मा, सिकंदर विश्वकर्मा, चंद्रकेश मौजूद रहे। संवाद

बांस संसाधन व उपयोग पर प्रशिक्षण

भौराबारी। पुर्नस्थापन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा वन विज्ञान केंद्र लक्ष्मीपुर परिसर में बाँस संसाधन व उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। हरा सोना' के नाम से मशहूर बांस से फायदे के तरीकों से प्रतिभागी प्रशिक्षित हुए। कार्यक्रम के समापन पर बाँस द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं से अवगत कराने के साथ ही प्रतिभागियों में प्रमाण पत्र वितरित हुआ।
कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि संभागीय वनाधिकारी डा.विकास यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया ।

बाँस संसाधनों एवं उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

शकुन टाइम्स संवाददाता

कैंपियरगंज/ गोरखपुर। पुर्नस्थापन वन अनुसन्धान केंद्र, प्रयागराज द्वारा वन विज्ञान केंद्र, गोरखपुर प्रांगण में बाँस संसाधन एवं उपयोग विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ० विकास यादव, संभागीय वन अधिकारी कैंपियरगंज, केन्द्र प्रमुख डॉ० संजय सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केंद्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम कि रूप रेखा के अंतर्गत बाँस प्रवर्धन विधियों पर विस्तृत चर्चा की। आलोक यादव, वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा उद्घाटन भाषण प्रस्तुत करते हुए भारत में बाँस संसाधन, वितरण एवं उसके महत्व प्रकाश डाला। केन्द्र के परियोजना सहायक राहुल निषाद ने बाँस आधारित उत्पाद के अंतर्गत असीम सम्भावनाएं बतायी। कुलदीप चौहान, वरिष्ठ शोध अध्येता ने खाने योग्य बाँस से उद्यमिता पर जानकारी उपलब्ध करायी।

बांस की उपयोगिता और उद्यमिता को लेकर प्रशिक्षण

जासं, महावनखोर : लक्ष्मीपुर के वन विभाग कामन फेसेलिटी सेंटर पर बांस उपयोगिता व संसाधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। पुर्नस्थापन वन अनुसन्धान केंद्र प्रयागराज के तत्वावधान में वन विज्ञान केंद्र के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। केंद्र प्रमुख व वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.संजय सिंह ने बांस के विभिन्न प्रजातियों के महत्व को बताया। प्रशिक्षण में समूह की महिलाओं द्वारा बांस के हस्त निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई।